मशक्कत टनल बोरिंग मशीन की मदद से जमीन से करीब 20 मीटर नीचे बनाई सुरंग

CSMT से मुंबई सेंट्रल तक तैयार हुई मेट्रो की सुरंग

■ **वसं, मुंबई :** कोरोना वायरस की वजह से राज्य में लागू कर्फ्यू के बीच मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से मुंबई सेंट्रल के बीच भूमिगत मार्ग तैयार कर लिया है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की सहायता से जमीन से करीब 20 मीटर नीचे यह सुरंग 26 महीने की कड़ी मेहनत के बाद बनी है।

कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच बन रहे मेट्रो 3 कॉरिडोर के पैकेज 2 के तहत यह मार्ग तैयार किया गया है। एमएमआरसीएल के अनुसार, फरवरी 2018 को वैतरणी-2 टीबीएम मशीन को सीएसएमटी के शाफ्ट में उतारा गया है। 30 अप्रैल को यह मशीन 4 किमी लंबी सुरंग का काम पूरा कर के मुंबई सेंट्रल के पास स्थित शाफ्ट से टीबीएम बाहर आई। भूमिगत मार्ग के निर्माण के दौरान 2,730 कॉन्क्रीट रिंग का इस्तेमाल किया गया है।

मेट्रो 3 कॉरिडोर के पैकेज 2 के तहत सीएसएमटी, कालबादेवी, गिरगांव, ग्रांट रोड व मुंबई सेंट्रल पांच मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य चल रहा है। एमएमआरसीएल के कार्यकारी संचालक रंजीत सिंह देओल के अनुसार, पैकेज 2 का यह मार्ग तैयार करना काफी चैलेंजिंग था। यह मार्ग समुद्री किनारे के समांतर होने के साथ ही इसके करीब पुरानी इमारतें हैं। इस वजह से काम के दौरान बेहद सावधानी बरती गई। कोरोना वायरस के प्रभाव को देखते हुए काम के दौरान महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश का पालन करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा खयाल रखा गया।

26 महीने की मेहनत के बाद 4 किमी लंबी सुरंग तैयार

28वीं सुरंग तैयार

मेट्रो 3 कॉरिडोर के लिए 33 किमी लंबा भूमिगत मार्ग तैयार करने के लिए 17 टीबीएम मशीनों का अलग-अलग पैकेज में उपयोग हो रहा है। अब तक 4 किमी लंबी सुरंग तैयार करने वाली वैतरणी-2 टीबीएम पहली मशीन बन गई है। सीएसएमटी से मुंबई सेंट्रल तक सुरंग तैयार करने के साथ ही एमएमआरसीएल ने मार्ग में 32 में से 28 सुरंग बनाने का काम पूरा कर लिया है।

file pic